Series : YXWZ4

SET ~ 2

प्रश्न-पत्र कोड **29/4/2**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

#

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* | *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **13** है।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं – **खण्ड क, ख** और **ग**।*

(iii) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(iv) *दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

(v) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।*

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

वृद्धाएँ धरती का नमक हैं,
किसी ने कहा था !
जो घर में हो कोई वृद्धा –
खाना ज्यादा अच्छा पकता है,
पर्दे-पेटीकोट और पायजामे भी दर्जी और
रफ़ूगरों के
मुहताज नहीं रहते,
सजा-धजा रहता है घर का हर कमरा,
बच्चे ज्यादा अच्छा पलते हैं,
उनकी नन्ही-मुन्नी उल्टियाँ सँभालती
जगती हैं वे रात-भर,
घुल जाती हैं बच्चों के सपनों में
हिमालय-विमालय की अतल कंदराओं की
दिव्यवर्णी-दिव्यगंधी जड़ी-बूटियाँ और
फूल-वूल !

उनके ही संग-साथ से भाषा में बच्चों की
आ जाती है एक अजब कौंध
मुहावरों, मिथकों, लोकोक्तियों,
लोकगीतों, लोकगाथाओं और कथा-समयकों की।
उनके ही दम से
अतल कूप खुद जाते हैं बच्चों के मन में
आदिम स्मृतियों के।

रहती हैं वृद्धाएँ, घर में रहती हैं
लेकिन ऐसे जैसे अपने होने की खातिर हों
क्षमाप्रार्थी

– लोगों के आते ही बैठक से उठ जातीं,
छुप-छुपकर रहती हैं छाया-सी, माया-सी !
पति-पत्नी जब भी लड़ते हैं उनको लेकर
कि तुम्हारी माँ ने दिया क्या, किया क्या-
कुछ देर वे करती हैं अनसुना,
कोशिश करती हैं कुछ पढ़ने की,
बाद में टहलने लगती हैं,
और सोचती हैं बेचैनी से – 'गाँव गए बहुत दिन हुए !'
उनके बस यह सोचने-भर से
जादू से घर में सब हो जाता है ठीक-ठाक,
सब कहते हैं, 'अरे, अभी कहाँ जाओगी,
अभी तो हमें जाना है बाहर, बच्चों को रखेगा
कौन ?'
कपड़ों की छाती जब फटती है –
बढ़ जाती है उनकी उपयोगिता।

(i) कविता का केंद्रीय भाव निम्नलिखित बिंदुओं से स्पष्ट होता है : *1*

I. परिवार के बुजुर्गों के प्रति सम्मान और करुणा

II. उपयोगिता की दृष्टि से वृद्धाओं के महत्त्व पर ध्यान खींचना

III. महानगरीय जीवन की विसंगतियों की चर्चा

(A) केवल I सही है।

(B) II और III सही हैं।

(C) I और III सही हैं।

(D) केवल III सही है।

(ii) वृद्धाएँ अपने बच्चों के घरों में रहते हुए भी लोगों के आते ही बैठक से क्यों उठ जाती हैं ? *1*

(A) वे उनके घरों में होने के लिए क्षमाप्रार्थी हैं।

(B) वे अपने बच्चों के बीच लड़ाई से शर्मिंदा होती हैं।

(C) वे अपनी उपस्थिति के प्रति सजग और संकोची हैं।

(D) उनको छुप-छुपकर रहना ही अच्छा लगता है।

(iii) जब घर में कोई बुज़ुर्ग स्त्री हो तो खाना ज़्यादा अच्छा पकता है – कहने का क्या आशय है ? *1*

(A) बुज़ुर्ग स्त्रियाँ ही खाना पकाने की जानकार होती हैं।

(B) बुज़ुर्ग स्त्रियों की उपस्थिति से डर कर अच्छा खाना बनाना पड़ता है।

(C) बुज़ुर्ग स्त्रियाँ अच्छा खाना ही खाती हैं, नहीं तो वे खाएँगी ही नहीं।

(D) बुज़ुर्ग स्त्रियों के पास पाक कला के गुर, धैर्य और संयम होता है।

(iv) कविता में 'पति-पत्नी' की लड़ाई का संदर्भ क्या है ? *1*

(v) किसी परिवार में वृद्ध स्त्री की उपस्थिति परिवार की नई पीढ़ी को कैसे प्रभावित करती है ? काव्यांश से दो बिंदु अवश्य लिखिए। *2*

(vi) घर की बोझिल और तनाव भरी स्थिति में वृद्धाएँ कौन-सा विचार करती हैं और उस विचार के प्रभावस्वरूप क्या होता है ? *2*

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

भारतीय कला में लोक भी है और शास्त्र भी। भारतीय लोक कला की दृष्टि यह है कि उसके दृष्टिपथ से कुछ छूटे नहीं, यही दृष्टि भारत के लोक काव्य की भी है। जो कुछ लोक ने कहा, अनुभव किया वह काव्य हो गया और इसी अनुभूति ने जब तूलिका पकड़ी तो माण्डने बन गए, थापे बन गए और लोक के तमाम देवी-देवाला अपने लोक राग के साथ घरों की भित्तियों पर विराज गए। सब एक ही धरातल से उपजे हैं चाहे वह लोक हो, उसके शास्त्र हों या उसकी कला। इन तीनों में कहीं द्वंद्व नहीं है। लोक और शास्त्र में विरोध का इसलिए प्रश्न नहीं है क्योंकि शास्त्र लोक की ही देन है और यही स्थिति कला की भी है।

भारतीय कला को लेकर प्राय: यह कहा जाता है कि भारतीय कला विशेष रूप से मध्यकालीन कला लोक का प्रतिनिधित्व नहीं करती, लेकिन यह सत्य नहीं है। राज्याश्रयी चितेरों और शिल्पियों ने भी अपने लोक को रचा है। उन संन्यासियों ने भी अपने लोक की सर्जना अपने अंकनों में की जो विहारों में रहते थे। लोक के राग से कोई वंचित नहीं रहा। चाहे अजंता हो, खजुराहो हो या माउंट आबू पर बनी मंदिर सरणी, इन सबमें लोक का अंकन है। माउंट आबू में एक मंदिर ऐसा भी है जिसे शिल्पियों ने अपने धन और अपने श्रम से बनाया है और खजुराहो के पाषाणों पर लोक व्यापार के अंकन वहाँ के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण अंकन हैं। खजुराहो के शिल्पों में भी अधिकांश शिल्प लोक व्यापार के शिल्प हैं।

भारतीय कला का उद्‌गम अनादि है। आदि ग्रंथों में इसके प्रमाण हैं और फिर इसकी निरंतरता कभी विराम नहीं लेती। संदर्भ तो प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक रचे गए ग्रंथों में हैं। कालक्रम की दृष्टि से यदि देखा जाए तो भीमबेटका की गुफाओं में दस हज़ार वर्ष पूर्व किए गए आदिमानव के अंकनों से लेकर ईसा की दूसरी सदी में हुए शुंग वंश के समय के अश्वमेध के घोड़े का अंकन मौजूद है।

सार रूप में कहा जा सकता है कि भारत में लोक से पृथक रूप से अस्मिता रखकर अपना अस्तित्व रचने वाली ऐसी कोई शिल्पांकन, स्थापत्य अथवा चित्रांकन की परंपरा नहीं रही, जिसमें लोक छूट गया हो।

(i) गद्यांश के आधार पर भारतीय कला के विषय में उचित कथन हैं : *1*

I. घरों की भित्तियों पर बने माण्डने और थापे लोक की कला के उत्कृष्ट नमूने हैं।

II. मध्यकाल की भारतीय कला लोक का प्रतिनिधित्व नहीं करती है।

III. लोक और शास्त्र-कला के सभी रूप एक ही धरातल से उत्पन्न हुए हैं।

(A) कथन I, II और III तीनों उचित हैं।

(B) कथन I और II उचित हैं।

(C) कथन II और III उचित हैं।

(D) कथन I और III उचित हैं।

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए : *1*

कथन : भारतीय कला के भीतर लोक और शास्त्र में विरोध बिलकुल नहीं है।

कारण : यह लोक शास्त्र की देन और राग के साथ घरों की भित्तियों पर विराजमान है।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

(iii) कालक्रम के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है ? *1*

(A) अजंता, खजुराहो या माउंट आबू मध्यकालीन कला के प्रतिनिधि नहीं हैं।

(B) भीमबेटका की गुफाएँ ईसा की दूसरी सदी की हैं।

(C) शुंग वंश जो दस हज़ार वर्ष पूर्व हुआ उसमें भी अश्वमेध के घोड़े का अंकन है।

(D) खजुराहो की मध्यकालीन पाषाण कृत्तियों में बहुतायत लोक-व्यापार के शिल्प की है।

(iv) 'लोक-काव्य' क्या है ? *1*

(v) मध्यकालीन कला के विषय में क्या कहा जाता है और लेखक ने उसे सत्य क्यों नहीं माना है ? *2*

(vi) प्राचीन सभ्यताओं की किन-किन कलात्मक विशिष्टताओं का उल्लेख लेखक करता है ? अपने शब्दों में लिखिए। *2*

(vii) गद्यांश के आधार पर बताइए कि कैसे भारतीय कला, लोक और शास्त्र का संगम है। (उत्तर में उचित तर्क को उदाहरण के द्वारा पुष्ट कीजिए) *2*

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :

(क) रेडियो और टेलीविज़न दोनों के एक रेखीय माध्यम होने पर भी दोनों में मूलभूत अन्तर क्या है ? (शब्द सीमा लगभग 20 शब्द) *1*

(ख) स्तंभ लेखन के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

(ग) जन-संचार माध्यमों को समाचारों से अलग हटकर विविध क्षेत्रों या विषयों के बारे में भी जानकारी क्यों देनी पड़ती है ? (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) किसी अख़बार में पाठकों का अपना स्तंभ कौन-सा होता है ? इसकी आवश्यकता क्यों होती है ?

(ख) पत्रकारिता में विशेषज्ञता से आप क्या समझते हैं ? वह कैसे प्राप्त की जा सकती है ? उसकी आवश्यकता क्यों है ?

(ग) टेलीविज़न पर समाचार प्रस्तुति के लिए स्क्रिप्ट तैयार करने के क्रम में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

5. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) अगर विद्यालय और अधिक समावेशी (इन्क्लूसिव) हों तब ....

(ख) मेले में बिताया एक दिन

(ग) जंगल सफारी के दौरान अचानक हाथियों के झुंड से घिर जाना

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) नाटक लिखते समय मंचन की दृष्टि से किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए ?

(ख) कहानी हमारे जीवन का अविभाज्य हिस्सा क्यों है ? अपने अनुभव की किसी कहानी के संदर्भ में उत्तर दीजिए।

(ग) कविता के प्रमुख घटकों और उन्हें सीखने की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तकों अंतरा तथा अंतराल पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

मैं तो शहर से या आदमियों से डरकर जंगल इसलिए भागा था कि मेरे सिर पर सींग निकल रहे थे और डर था कि किसी-न-किसी दिन किसी की नज़र मुझ पर जरूर पड़ जाएगी।

जंगल में मेरा पहला ही दिन था जब मैंने बरगद के पेड़ के नीचे एक शेर को बैठे हुए देखा। शेर का मुँह खुला हुआ था। शेर का खुला मुँह देखकर मेरा जो हाल होना था वही हुआ, यानी मैं डर के मारे एक झाड़ी के पीछे छिप गया।

मैंने देखा कि झाड़ी की ओट भी गज़ब की चीज़ है। अगर झाड़ियाँ न हों तो शेर का मुँह-ही-मुँह हो और फिर उससे बच पाना कठिन हो जाए। कुछ देर बाद मैंने देखा कि जंगल के छोटे-मोटे जानवर एक लाइन से चले आ रहे हैं और शेर के मुँह में घुसते चले जा रहे हैं। शेर बिना हिले-डुले, बिना चबाए, जानवरों को गटकता जा रहा है। यह दृश्य देखकर मैं बेहोश होते-होते बचा।

(i) 'सींग निकलना' से क्या आशय है ?

(A) हिंसक होना (B) विरोध करना

(C) पशु बनना (D) वयस्क होना

(ii) गद्यांश में शहर से जंगल की ओर भागने का सांकेतिक कारण लेखक ने क्या माना है ?

(A) आदमियों से डरना

(B) जंगल की सैर करना

(C) शहरी जीवन से थकना

(D) व्यवस्था के कहर से बचना

(iii) गद्यांश में 'शेर' प्रतीकार्थ है :

(A) हिंसक पशु (B) व्यवस्था

(C) जंगल का राजा (D) धनी वर्ग

(iv) जानवर शेर के मुँह में क्यों चले जा रहे थे ?

(A) उससे भयभीत होने के कारण

(B) किसी न किसी प्रलोभन के कारण

(C) पारंपरिक नियम होने के कारण

(D) अंधविश्वासी होने के कारण

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : जंगल के छोटे-मोटे जानवर शेर के मुँह में घुसते चले जा रहे थे।

कारण : शेर अहिंसावादी, न्यायप्रिय और बुद्ध का अवतार था।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

8. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले विस्थापन से औद्योगीकरण के कारण होने वाला विस्थापन भिन्न कैसे है ? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर सोदाहरण लिखिए।

(ख) यूँ तो हरगोबिन पूरा संवाद ज्यों का त्यों सुना दिया करता था परंतु बड़ी बहुरिया के मायके में वह संवाद नहीं सुना पाया। इसके कारणों की विवेचना कीजिए।

(ग) 'रूप व्यक्ति-सत्य है, नाम समाज-सत्य' 'कुटज' पाठ में लेखक इस पंक्ति के माध्यम से हमें क्या समझाना चाहता है ?

9. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी ***एक*** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) पुर्ज़े खोलकर फिर ठीक करना उतना कठिन काम नहीं है, लोग सीखते भी हैं, सिखाते भी हैं, अनाड़ी के हाथ में चाहे घड़ी मत दो पर जो घड़ीसाज़ी का इम्तहान पास कर आया है उसे तो देखने दो। साथ ही यह भी समझा दो कि आपको स्वयं घड़ी देखना, साफ़ करना और सुधारना आता है कि नहीं। हमें तो धोखा होता है कि परदादा की घड़ी जेब में डाले फिरते हो, वह बंद हो गई है, तुम्हें न चाबी देना आता है न पुर्ज़े सुधारना तो भी दूसरों को हाथ नहीं लगाने देते इत्यादि।

अथवा

(ख) हर की पौड़ी पर साँझ कुछ अलग रंग में उतरती है। दीया-बाती का समय या कह लो आरती की बेला। पाँच बजे जो फूलों के दोने एक-एक रुपए के बिक रहे थे, इस वक्त दो-दो के हो गए हैं। भक्तों को इससे कोई शिकायत नहीं। इतनी बड़ी-बड़ी मनोकामना लेकर आए हुए हैं। एक-दो रुपए का मुँह थोड़े ही देखना है। गंगा सभा के स्वयंसेवक खाकी वरदी में मुस्तैदी से घूम रहे हैं। वे सबको सीढ़ियों पर बैठने की प्रार्थना कर रहे हैं। शांत होकर बैठिए, आरती शुरू होने वाली है। कुछ भक्तों ने स्पेशल आरती बोल रखी है। स्पेशल आरती यानी एक सौ एक या एक सौ इक्यावन रुपए वाली। गंगा-तट पर हर छोटे-बड़े मंदिर पर लिखा है। 'गंगा जी का प्राचीन मंदिर।' पंडितगण आरती के इंतज़ाम में व्यस्त हैं। पीतल की नीलांजलि में सहस्र बत्तियाँ घी में भिगोकर रखी हुई हैं।

10. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए : *5×1=5*

"मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल
दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हो भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण !

(i) कवि द्वारा स्वयं को 'भाग्यहीन' कहने का कारण नहीं हो सकता :
- (A) युवावस्था में ही पुत्री की मृत्यु हो जाना
- (B) पुत्री को जन्म देते ही पत्नी का देहावसान हो जाना
- (C) पिता रूप में अपनी जिम्मेदारियों को न निभा पाना
- (D) कवि रूप में साहित्य जगत में पहचान न मिल पाना

(ii) प्रस्तुत पंक्तियों का मूल भाव क्या है ?
- (A) करुणा
- (B) वात्सल्य
- (C) शांत
- (D) भय

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :
कथन : कवि अपने कवि-कर्म पर वज्रपात होने की कामना कर रहा है।
कारण : कवि-कर्म में लीन रहने के कारण ही वह पितृ धर्म का पालन नहीं कर सका।
विकल्प :
- (A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
- (B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
- (C) कथन सही है और कारण उसकी उचित व्याख्या करता है।
- (D) कथन सही है, किंतु कारण उसकी उचित व्याख्या नहीं करता है।

(iv) कवि अपने सभी कार्यों के भ्रष्ट होने की तुलना किससे कर रहा है ?
- (A) अतिशय बारिश में नष्ट हो चुके कमलों से
- (B) सर्दी के प्रकोप से खराब हो चुके कमलों से
- (C) वज्रपात होने के कारण खराब हो चुके कमलों से
- (D) सर्दी के प्रकोप से नष्ट हो चुकी फ़सलों से

(v) उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर एक शोक-संतप्त पिता किन मनोभावों से घिरा हुआ दिखता है ?

I. वह अपने सभी अच्छे कर्मों को पुत्री के लिए अर्पित कर रहा है।

II. कवि-कर्म पर वज्रपात हो ऐसी कामना कर रहा है।

III. दुख की इस घड़ी में धर्म-अधर्म का अंतर भूल जाना चाहता है।

विकल्प :

(A) I, II और III तीनों

(B) I और II दोनों

(C) I और III दोनों

(D) II और III दोनों

11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) ' 'सरोज स्मृति' कवि का एक शोक गीत है।' तर्कपूर्ण उत्तर से सिद्ध कीजिए।

(ख) 'बारहमासा' के आधार पर जायसी के काव्य-सौंदर्य पर एक टिप्पणी कीजिए।

(ग) 'नयन न तिरपित भेल' के आधार पर विद्यापति की नायिका की मनोदशा स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) भूपति मरन पेम पनु राखी। जननी कुमति जगतु सबु साखी॥
देखि न जाहिं बिकल महतारीं। जरहिं दुसह जर पुर नर नारीं॥
महीं सकल अनरथ कर मूला। सो सुनि समुझि सहिउँ सब सूला॥
सुनि बन गवनु कीन्ह रघुनाथा। करि मुनि बेष लखन सिय साथा॥
बिन पानहिन्ह पयादेहि पाएँ। संकरु साखि रहेउँ ऐहि घाएँ॥
बहुरि निहारि निषाद सनेहू। कुलिस कठिन उर भयउ न बेहू॥
अब सबु आँखिन्ह देखेउँ आई। जिअत जीव जड़ सबइ सहाई॥
जिन्हहि निरखि मग साँपिनि बीछी। तजहिं बिषम बिषु तापस तीछी॥
तेइ रघुनंदनु लखनु सिय अनहित लागे जाहि।
तासु तनय तजि दुसह दुख दैउ सहावइ काहि॥

अथवा

(ख) ऊँचे तरुवर से गिरे
बड़े-बड़े पियराए पत्ते
कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो –
खिली हुई हवा आई, फिरकी-सी आई, चली गई।
ऐसे, फुटपाथ पर चलते चलते चलते।
कल मैंने जाना कि वसंत आया।
और यह कैलेंडर से मालूम था
अमुक दिन अमुक बार मदनमहीने की होवेगी पंचमी
दफ़्तर में छुट्टी थी – यह था प्रमाण
और कविताएँ पढ़ते रहने से यह पता था
कि दहर-दहर दहकेंगे कहीं ढाक के जंगल
आम बौर आवेंगे
रंग रस-गंध से लदे-फँदे दूर के विदेश के
वे नंदन-वन होवेंगे यशस्वी
मधुमस्त पिक भौंर आदि अपना-अपना कृतित्व
अभ्यास करके दिखावेंगे
यही नहीं जाना था कि आज के नगण्य दिन जानूँगा
जैसे मैंने जाना, कि वसंत आया।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(क) 'बिसनाथ दूध कटहा हो गए। उनका दूध कट गया।' – इस कथन का आशय स्पष्ट करते हुए बिसनाथ के जीवन में आए संकट का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। इस कथन के आलोक में आप बिसनाथ के प्रति कैसा महसूस करते हैं ? संक्षेप में लिखिए।

(ख) सूरदास के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन करते हुए लिखिए कि आप उनमें से किन को अपनाना चाहेंगे और क्यों ? (कम-से-कम तीन विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए)

(ग) 'अपना मालवा .....' पाठ में वर्णित जल संचय के तरीकों का वर्णन करते हुए लिखिए कि विकास की दौड़ ने उन पर कैसा प्रभाव डाला है। इस प्रभाव से किस प्रकार बचाव किया जा सकता है ?